

राजस्थान सरकार
निदेशालय कोष एवं लेखा राजस्थान जयपुर
“वित्त भवन” जनपथ, जयपुर-302005

(दूरभाष 0141-2740735, फैक्स 0141-2742309, ई मेल :ao2.dta@rajasthan.gov.in)

क्रमांक:—एफ.3(ई)(1)(6) / एसीपी / पार्ट-ग / अलेसे-ग / ३।।९ दिनांक :— ३-४-२०२४

संबंधित सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-ग

विषय:— ए.सी.पी. प्रकरणों में आक्षेपों के निस्तारण बाबत।

उपरोक्त विषयान्तर्गत निम्नांकित सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-ग के ए.सी.पी.
/ एम.ए.सी.पी. स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रकरणों में निम्नानुसार कमियां पायी गई हैं:—

क्र.सं.	नाम कार्मिक सर्वश्री	मेरिट/बैच लिंक नं	आक्षेप का विवरण
1.	श्री महेश चन्द्र माहौर	574/1994 3001	<ol style="list-style-type: none">आवेदन विलम्ब से प्रस्तुत करने का कारण स्पष्ट करें।ए.सी.पी. स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में नहीं है।

उक्त तालिका में अंकित आक्षेपों का शीघ्र निस्तारण करवाकर अवगत करावें, जिससे ए.सी.पी. / एम.ए.सी.पी. प्रकरण को स्वीकृत किया जा सके।

संलग्न:— निर्धारित प्रारूप।


(भारती शेखावत)
उपनिदेशक (कार्मिक-ग/गा)

पिता (पितृ) दिवान द्वारा जारी आदेश क्रमांक एफ. 14 (80) वित्त/सिवाय/2008-I&II दिनांक 31.12.09 के तहत संगोष्ठीजनक संधि

पद	कार्यालय	एसद द्वारा शपथ पूर्वक घोषणा करता / करती है कि :- थी-
क्रम संख्या	नाम	जन्म तिथि
1.		
2.		
3.		

२. दिनांक ०१.०६.२००२ को एवं इसके पश्चात मेरे वक्त्रों की सत्त्वा में वृद्धि नहीं हुई है।

दिनांक 01.06.2002 को एवं इसके पश्चात् मेरे बच्चों की राज्या में वृद्धि हुई है एवं वर्तमान में बच्चों (पुत्र/पुत्री) की युल संख्या		
क्रम संख्या	नाम	जन्म तिथि
1.		
2.		
3.		

दिनांक..
संस्कृत मेरे समग्र किये गये

पतंजल कार्यलयालय
इन्द्रिय सम्बन्ध

हरसाक्षर
नाम
पद
गैरिट संख्या
वर्तमान विभाग
दरभाष नम्बर

सन्तोषजनक सेवा आदि प्रगाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री ... पद मेरिट संख्या ... ने उक्त घोषणा पत्र में सभी वित्ताधारी किए हैं तथा रोज़ा पुस्तिका एवं उपलब्ध रेकार्ड के आधार पर प्रमाणित किया जाता है कि श्री ... ने कनिष्ठ लेडाकार/लेडाकार के पद पर प्रथम नियुक्ति होने पर दिनांक ... को पूर्वान्ह/अपराह्न ने कार्यवहन किया तथा इनको प्रबन्ध/हितीय/तृतीय एसीपी दिनांक ... को देय हो गया है तथा सन्य-समय पर जारी निर्देश एवं 31.12.2009 के परिपत्र को तात्पूरत में लाने हेतु दूसरे बार मी प्रमाणित किया जाता है कि :-

1. इनके बिना कोई विधियां/फौजदारी जॉच लम्हिन/प्रस्तुवित नहीं है तथा पूर्व में इन्हें कोई दण्ड नहीं दिया गया है। (यदि इसके विपरीत विधि हो तो उसका पूर्ण विवरण अंकित किया जावे)

2. संता पुरितामा के अनुसार इन्हें ए.सी.पी. देय तिथि से पिछले सात वर्षों से नियमित रूप से वेतन वृद्धि या गिर रही है तथा इनकी सेवाये राता अनुकूल है।

3. इन्होंने प्रथम पदोन्नति पद पर दिनांक को, द्वितीय पदोन्नति पद पर दिनांक को, तथा तृतीय पदोन्नति पद पर दिनांक को मिली है।

4. इनको पदोन्नति प्रथम/द्वितीय/तृतीय ही मिली है।

5. इन्होंने प्रथम/द्वितीय/तृतीय पदोन्नति पर को दिनांक को फोटो किया है।

6. इन्होंने पदोन्नति फोटोग्राफी नहीं की है।

7. ये पुनरीक्षित वेतनमान नियम 2008 में वेतन शृखला में पे दैण्ड में दिनांक से वेतन प्राप्त कर रहे हैं। (अति संतान करे)

8. इनकी देना पुरितामा के आधार पर जन्मतिथि है।

9. 20 जनवरी 2006 को गा इसके पश्चात नियुक्त परिवाहाधीन प्रशिक्षणार्थी (Probationer Trainee) नियम 7 (30 A)ने यदि 90 दिन से अधिक की E.O.I. ली है तो E.O.I. की अवधि दिनांक से तक है।)

10. कमिष्ट लेखाकार/लेखाकार के पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सामान वेतन शृखला में अन्य सरबसे विभाग में की गई सेवा (यदि कोई हो) का विवरण मय सेवा पुरितामा की सत्यापित प्रति के (स्पष्टीकरण दिनांक 31.12.2009) II (iii)।

11. इन्हें प्रथम चयनित वेतनमान नियेशालय के आदेश संभवा द्वारा दिनांक से स्वीकृत एवं द्वितीय चयनित वेतनमान/ए.सी.पी. नियेशालय के आदेश संभवा द्वारा दिनांक से स्वीकृत की जा दुकी है। (आदेश प्रति संलग्न करें।)

वर्तमान कार्यालयाच्छक्ष
हस्ताक्षर मय मोहर